Literacy for a Billion

Movie: Parichay
Year: 1972

Song: Musafir Hoon Yaro
Lyricist: Gulzar

मुसाफिर हूं यारो
ना घर है ना ठिकाना
हूं हूं हे ...
मुसाफिर हूं यारो
ना घर हैं ना ठिकाना
मुझे चलते जाना है
बस चलते जाना
मुसाफिर हूं यारो
ना घर हैं ना ठिकाना
मुझे चलते जाना है
बस चलते जाना

एक राह रूक गयी
तो और जूड गई
मैं मुडा तो साथ
साथ राह मुड गयी
एक राह रूक गयी
तो और जूड गई
मैं मुडा तो साथ
साथ राह मुड गयी
हवा के परो पर
मेरा आशियाना

मुसाफिर हूं यारो
ना घर हैं ना ठिकाना
मुझे चलते जाना है
बस चलते जाना

दिने हाथ थामकर
इधर बिठा लिया
रात ने इशारे से
उधर बुला लिया

दिने हाथ थामकर
इधर बिठा लिया
रात ने इशारे से
उधर बुला लिया
सुबह से शाम से
मेरा दोस्ताना
मुसाफिर हूं यारो
ना घर हैं ना ठिकाना
मुझे चलते जाना है
बस चलते जाना
मुसाफिर हूं यारो
ना घर हैं ना ठिकाना
मुझे चलते जाना है
बस चलते जाना

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.